दैनिक भास्कर
इंदौर 14-04-2023

प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करें : वंदना श्रीजी

इंदौर | हर व्यक्ति अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे, उन्हें

संस्कारित करे। बच्चों को मंदिर ले जाएं, भगवान के दर्शन कराएं। बच्चों को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं। इससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति सजग होगी। प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करना चाहिए। ये विचार ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिनी श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पहले दिन व्यक्त किए। गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कथा 17 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से होगी।